International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों कीशैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. बी. के. गुप्ता, (प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष)

दुर्गेश कुमार, शोधार्थी

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बाराबंकी (उ.प्र.)

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के बाराबंकी जनपद के यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 600 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया और आकडों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन और टी–परीक्षण के द्वारा किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी. एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

मुख्य शब्दः– यू.पी. बोर्ड, सी.बी.एस.ई. बोर्ड, शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना

विद्यार्थी ही परिवार, समाज एवं राष्ट्र का निर्माता होता है। उनकी श्रम शक्ति एवं संघर्ष करने की शक्ति से ही वह सुदृढ़ होता है। किसी भी राष्ट्र की समृद्धि वहाँ के जिम्मेदार नागरिकों, सफल व्यवसायी और अपने कार्य में कुशल भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे व्यक्तियों के योगदान पर निर्भर है, जो राष्ट्र जितना अधिक धन उत्पन्न करने का स्त्रोत

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

बनाता है वह राष्ट्र उतना ही अधिक समृद्ध एवं विकसित होता है। राष्ट्र के विकास में हर व्यक्ति का योगदान निश्चित होता है किन्तु औद्योगिक इकाइयाँ राष्ट्र की आर्थिक पृष्ठभूमि को सुदृढ़ करने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थी युवावस्था की ओर प्रवेश कर रहे होते हैं, यह अवस्था आकर्षण, तनावपूर्ण व तूफानी कही जाती है, जिसमें विद्यार्थी अनेक शारीरिक, सांवेगिक व मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों से गुजरता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी जहाँ एक तरफ उच्च स्तरीय विशिष्ट ज्ञान, कौशल व मूल्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार हो रहे होते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनका पूर्व अधिगम अधिक सार्थक व स्पष्ट होने लगता है। वैसे तो शिक्षा के सभी स्तर महत्वपूर्ण होते हैं, परन्तु माध्यमिक स्तर ऐसी अवस्था होती है जो संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया की रीढ़ होती है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी इतने समझदार हो जाते हैं कि उन्हें ज्ञात होता है कि किस प्रकार की शिक्षा प्राप्त करनी है जिससे उनका समाज में एक अच्छा स्थान हो तथा वे सुनियोजित ढ़ंग से सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें।

अध्ययन का औचित्य

आज का किशोर बालक देश का भावी नागरिक है। देश का उज्जवल व समृद्धिशाली भविष्य उसकी योग्यता पर निर्भर है। आज हमें नई पीढ़ी की समग्र मानसिक पृष्ठभूमि, आशाओं, आकांक्षाओं और क्षमताओं को समझकर शिक्षा का विधान करना चाहिए। यदि शिक्षा–प्रणाली के साथ विधार्थी को सहभागी नहीं बनाया जाता, तब शिक्षार्थी अपने भविष्य को जिस दृष्टि से देखता है और जिन उमंगों को लेकर इस क्षेत्र में पर्दापण करता है, यदि वे इस शिक्षा के उपरान्त उपयोगी सिद्ध नहीं होती तो इससे न तो शिक्षार्थी को और न ही समाज को कोई लाभ होगा। अतः यदि हम चाहते है कि शिक्षा व्यक्ति एवं समाज की उन्नति एवं सुपरिवर्तन का माध्यम बने तो इसके लिए यह आवश्यक है कि हम शिक्षा का निर्धारण वैयक्तिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार करें।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि हमारे राष्ट्र की ताकत और भविष्य इस पीढ़ी के बच्चों पर निर्भर करती है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि समाज के सभी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

वर्गों की युवा पीढ़ी स्वतंत्र इच्छा, मुक्त मन और शानदार विचारों के साथ सहयोग करे। प्रत्येक छात्र भाषा, संस्कृति, आर्थिक विशेषाधिकार, व्यक्तित्व, ज्ञान और अनुभव के मामले में अलग–अलग होता है। मनोवैज्ञानिक रूप से बोलते हुए, वे अपनी आवश्यकताओं, लक्ष्यों, रुचियों, भावनाओं और विश्वासों में भिन्न होते हैं। तदनुसार, अलग–अलग व्यक्ति लक्ष्य निर्धारित करते हैं कि वे अपनी उपलब्धि की अपेक्षा के आधार पर विभिन्न स्तरों पर प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी उस अवस्था में हैं जब उन्हें अपने भविष्य का चयन और तैयारी करनी है। उस अवस्था में उन्हें अपने शिक्षकों, माता–पिता के समर्थन की आवश्यकता होती है, जो उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुँचने में मार्गदर्शन करते हैं। अतः देश के शैक्षिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए विद्यार्थियों कीशैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धि का अत्यधिक महत्व है। शिक्षाविदों को विद्यार्थियों कीशैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा शैक्षिक उपलब्धिको जानने की आवश्यकता है ताकि वे उन्हें प्रेरित करने के प्रयास कर सकें।

अध्ययन के उद्देश्य

1 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

1 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

2 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

4 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

समस्या का सावधानी पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात् तथा सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा कर शोधार्थी ने अपने शोध कार्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करने का निश्चय किया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तर प्रदेश राज्य के बाराबंकी जनपद के यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 600 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है।

उपकरण

- **शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा परीक्षण – टी. आर. शर्मा द्वारा निर्मित**
- **शैक्षिक उपलब्धि – पिछली कक्षा के प्राप्तांक**

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए प्रयुक्त सांख्यिकी

- ❖ मध्यमान
- ❖ मानक विचलन
- ❖ टी–परीक्षण

आंकड़ों की व्याख्या एवं विश्लेषण

परिकल्पना – 1 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका– 1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	परिणाम
यू.पी. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र	150	22.68	9.56	2.92	0.01 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र	150	25.63	7.84		

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका के अवलोकन से विदित होता है कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रोंका मध्यमान 22.68 तथा मानक विचलन 9.56 है। दूसरी ओर सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रोंका मध्यमान 25.63 तथा मानक विचलन 7.84 है। प्राप्त मध्यमानों और मानक विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मूल्य 2.92 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 298 पर 0.01 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 2.36 है। टी परीक्षण का परिकलित मूल्य तालिका के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

मूल्य से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणामें सार्थक अंतर है।

परिकल्पना – 2 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका– 2

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	परिणाम
यू.पी. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राएँ	150	23.09	8.05	6.28	0.01 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राएँ	150	28.67	7.33		

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका के अवलोकन से विदित होता है कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओंका मध्यमान 23.09 तथा मानक विचलन 8.05 है। दूसरी ओर सी.बी.एस. ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओंका मध्यमान 28.67 तथा मानक विचलन 7.33 है। प्राप्त मध्यमानों और मानक विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मूल्य 6.28 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 298 पर 0.01 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 2.36 है। टी परीक्षण का परिकलित मूल्य तालिका के मूल्य से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणामें सार्थक अंतर है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

परिकल्पना – 3 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका– 3

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	परिणाम
यू.पी. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र	150	368.96	32.14	11.10	0.01 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र	150	412.53	35.78		

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका के अवलोकन से विदित होता है कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रोंका मध्यमान 368.96 तथा मानक विचलन 32.14 है। दूसरी ओर सी.बी.एस. ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रोंका मध्यमान 412.53 तथा मानक विचलन 35.78 है। प्राप्त मध्यमानों और मानक विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मूल्य 11.10 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 298 पर 0.01 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 2.36 है। टी परीक्षण का परिकलित मूल्य तालिका के मूल्य से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

परिकल्पना – 4 यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका– 4

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	परिणाम
यू.पी. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राएँ	150	389.23	34.95	15.73	0.01 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राएँ	150	456.15	38.64		

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका के अवलोकन से विदित होता है कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओंका मध्यमान 389.23 तथा मानक विचलन 34.95 है। दूसरी ओर सी.बी. एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओंका मध्यमान 456.15 तथा मानक विचलन 38.64 है। प्राप्त मध्यमानों और मानक विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मूल्य 15.73 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 298 पर 0. 01 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 2.36 है। टी परीक्षण का परिकलित मूल्य तालिका के मूल्य से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यू.पी. बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 06 June- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

संदर्भ सूची

- आरती, (1997), यू.पी. बोर्ड, सी.बी.एस.ई.बोर्ड तथा आई.सी.एस.ई. बोर्ड के छात्रों के विज्ञान अभिवृत्ति एवं शैक्षिक निष्पत्ति का तुलनात्मक अध्ययन। अप्रकाशित लधु शोध प्रबन्ध, दयालबाग : डी.ई.आई., आगरा।
- बेस्ट, जे. डब्ल्यू. (1963), रिसर्च इन एजूकेशन। नईदिल्ली प्रेन्टिस हाफल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड।
- कपिल, (डॉ) एस. के. (2011), सांख्यिकी के मूलतत्व, श्री विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- ढौढियाल, एस. फाटक ए. (2003), शैक्षिक अनुसंधान विधि शास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थअ कादमी, जयपुर।
- सुखिया, एस. पी.; मेहरोत्रा, आर. एन. (1970), शैक्षिक अनुसंधान के मूलतत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- सिंह, अरूण कुमार (2015), मनोविज्ञान, समाजशस्त्र तथाशिक्षामें शोध विधियाँ, मोती लाल बनारसी दास,वाराणासी।
- श्रीवास्तव, डी. एन., और वर्मा प्रीति (2013), आधुनिक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान एवं परीक्षण, श्री विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।